

पटपटाना अ.क्रि. (देश.) 1. भूख-प्यास से तड़पना 2. गरमी से तड़पना, बुरा हाल हो जाना 3. किसी वस्तु से पटपट ध्वनि निकलना 4. दुःख या शोक व्यक्त करना।

पटपर वि. (तद्.) चौरस, समतल पुं. 1. समतल स्थान या मैदान, वह जमीन जो बरसात के पानी में डूबी रहती है 2. एकदम उजाड़ या सुनसान जगह, ऐसी जगह जहाँ पेड़-पौधे, घास फूस तक न हों।

पटबंधक पुं. (तत्.) एक प्रकार का रेहन या गिरवी जिसमें रेहन रखी गई वस्तु के लाभ से मूलधन तथा ब्याज दोनों अदा हो जाते हैं और वह वस्तु रेहनदार (मालिक) को लौटा दी जाती है।

पटभाक्ष पुं. (तत्.) एक ऐसा प्राचीन यंत्र जिसकी सहायता से देखने में आँख को मदद मिलती है, एक प्रकार का प्रकाश-यंत्र।

पटमंजरी पुं. (तत्.) वसंत ऋतु में आधी रात में गाई जाने वाली एक प्रकार की रागिनी, इसे हिंडोल राग की भार्या (स्त्री) भी कहा जाता है।

पटमंडप पुं. (तत्.) तंबू, खेमा, शिविर, कपड़े का बना हुआ मंडप।

पटमय वि. (तत्.) 1. कपड़े से बना हुआ 2. तंबू, खेमा।

पटरा पुं. (तद्.) 1. काठ या लकड़ी का लंबा चौकोर समतल टुकड़ा, पतला तख्ता, पल्ला 2. धोबी का पाट मुहा. पटरा कर देना- किसी खड़ी चीज को गिराकर पटरी की तरह जमीन पर लिटा देना, वृक्ष आदि को, मनुष्य को काटकर गिरा देना, चौपट कर देना, सर्वनाश कर देना; पटरा होना- मरकर या कटकर समाप्त होना।

पटरानी स्त्री. (तद्.) 1. राजा के साथ सिंहासन पर बैठने की अधिकारिणी 2. राजा की विवाहिता रानियों में प्रधान, सबसे बड़ी रानी, मुख्य रानी।

पटरी स्त्री. (देश.) 1. लकड़ी का पतला लंबा तख्ता बच्चे जिस पर लिखना सीखते हैं और वह लकड़ी से निर्मित होती है, तख्ती, पटिया 2.

सड़क के किनारे पैदल चलने की कुछ ऊँची जगह 3. नदी या नहर के किनारे बना हुआ रास्ता 4. लकड़ी के तख्ते जो पटरी के रूप में बिछाए जाते हैं, जिन पर रेलगाड़ी गुजरती है जैसे- पटरी से डिब्बों का उतरना 5. वन, उपवन या पार्क में घूमने के या पैदल चलने के लिए बनाया गया स्थान 6. हाथ में पहने जाने वाली एक प्रकार की चौड़ी चूड़ी 7. गले में पहना जाने वाला ताबीज या जंतर मुहा. पटरी जमना- घुड़सवारी में घोड़े की पीठ पर रान, (आसन) जमाना; पटरी बैठना- मन मिलना, मेल खाना।

पटल पुं. (तत्.) 1. छत, छप्पर 2. आवरण, पर्दा, ढक्कने या आढ़ करने वाला वस्त्र 3. परत, तह 4. आँख के पर्दे 5. आँख का रोग जिसे मोतियाबिंद भी कहा जाता है 6. लकड़ी का पटरा या चौरस टुकड़ा 7. माथे का तिलक, टीका 8. समूह, ढेर, अंबार 8. वृक्ष, पेड़ 9. पिटारी, पिटक 10. पुस्तक, ग्रंथ 11. डंठल 12. पृष्ठ भाग 13. अध्याय।

पटलक पुं. (तत्.) 1. आवरण, पर्दा 2. इत्र या सुगंधित पदार्थ लगा हुआ कपड़ा 3. छोटा संदूक 4. डलिया या टोकरा 5. समूह, ढेर, अंबार, राशि।

पटला स्त्री. (तद्.) बड़े आकार की नौका, भीमाकार नौका।

पटली पुं. (तद्.) 1. छत, छप्पर 2. वृक्ष 3. डंठल 4. चौकी 5. समूह, झुंड, पंक्ति 6. दे. पटरी।

पटवा पुं. (तद्.) 1. रेशम या सूत के धागों में गहने गूँधने वाला 2. गहने गूँधने वालों की जाति 3. मजबूत और तेज चलने वाला नारंगी रंग का सा बैल 4. पटसन की जाति का एक प्रकार का पौधा, लाल अंबारी 5. पाट।

पटवादय पुं. (तत्.) एक प्राचीन वाद्य यंत्र, जिसका स्वरूप झांझ का-सा होता है और जो ताल देने के कार्य में प्रयुक्त होता है, बाजा।

पटवाना स.क्रि. (देश.) 1. गड्ढे आदि गहरे खाली स्थान को भरवाकर समतल कराना, आसपास की जमीन के बराबर करना, भरवाना यथा-